खास-खबरें

चंदेरी डाकघर में कर्मचारी कम काम अधिक; जनता परेशान

नईदुनिया, प्रतिनिधि, चंदेरी: नगर में बढ़ती आबादी और शासन स्तर पर बढ़ते कागजी कार्यों के चलते डाकघर में काम का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं कर्मचारियों की कमी के कारण आमजन को अपने कार्यों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्याप्त कर्मचारियों के अभाव में डाकघर के कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। कई बार लोगों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए भी बार-बार डाकघर के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि चंदेरी में लगातार सुविधाओं और सेवाओं की मांग बढ़ रही है, लेकिन डाकघर में कर्मचारियों की कमी के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। नागरिकों ने विभाग से जल्द ही पर्याप्त कर्मचारियों की नियुक्ति कर व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

विदिशा के युवा तबला वादक को मिला हाई ग्रेड अवॉर्ड

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशा : नगर के युवा तबला वादक पं शशिकांत शर्मा को आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा बी हाई ग्रेड यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। ख्यातश्री तबला वादक एवं शास्त्रीय गायक स्व.दीपक पाठक के बाद यह उपलब्धि प्राप्त करने वाले शशिकांत नगर के इकलौते तबला वादक हैं। युवा तबला वादक पं शशिकांत शर्मा इंदिरा संगीत कला विश्वविद्यालय खैरागढ़ के विश्व विख्यात तबला मनीषी पं मुकुंद राव भाले से तबला वादन की विधिवत शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। शशिकांत शर्मा की इस उपलब्धि पर पं गंगा प्रसाद पाठक ललित कला न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद देवलिया, सचिव सुनील जैन, कोषाध्यक्ष भरत लड्ढा ,सह सचिव अरविन्द द्विवेदी, शासकीय सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य बलराम चैधरी, सुदिन श्रीवास्तव, प्रकाश पाठक, यशवंत शर्मा, अमिताभ शर्मा पं नीलेश तिवारी, लव प्रताप पाल, कान्हा शर्मा, आशीष राज, सौम्या शर्मा, अवनि भार्गव, आरती अहिरवार, कंचन मालवीय, अदिति आचार्य,अंजली शर्मा,वासु मिश्रा आदि ने बधाई दी है।

जनसुनवाई में 166 में से 90 आवेदनों का हुआ निराकरण

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशा: कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जनसुनवाई में विभिन्न आवेदकों की समस्याओं का निराकरण कराया। जनसुनवाई में मुआवजा, आर्थिक सहायता, बिजली, पेंशन, बैंक और राजस्व से संबंधित सीमांकन, बंटवारा, खाद्यान्न पर्ची इत्यादि सहित अन्य विभागों से संबंधित आवेदन तथा व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं सामने आई थी इन सभी आवेदनों पर विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे विभागों ने कार्यवाही की और समस्याएं हल हो गईं। जनसुनवाई में प्राप्त कुल 166 आवेदनों में से 90 से अधिक का निराकरण मौके पर किया गया। जनसुनवाई में सिरोंज तहसील के ग्राम पीराखार निवासी रमुआ (रम्मू) अहिरवार 6 बीघा कृषि भूमि की खसरे की नकल के लिए 2 वर्षों से परेशान थे। जनसुनवाई में कलेक्टर अंशुल गुप्ता के समक्ष समस्या रखने पर तत्काल कार्रवाई हुई और भूमि रिकॉर्ड का दुरुस्तीकरण कर खसरे की नकल मौके पर ही प्रदान कर दी गई।

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेन: वर्षा ऋतु में मच्छरजनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने नागरिकों से सावधानी बरतने और लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि कंपकंपी के साथ तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, बेचैनी, कमजोरी, सुस्ती, मितली, ठंड और तपन महसूस होना मलेरिया के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें, खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं।

बस किराया बढ़ोतरी के खिलाफ बारिश में भी तीन घंटे डटे रहे छात्र

विधायक के आश्वासन पर खत्म हुआ धरना, 4 सितंबर को अधिकारियों और विद्यार्थियों की बैठक

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदा: केंद्रीय कृषि मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी की तहसील भैरूंदा में मंगलवार को बस किराया बढ़ोतरी के विरोध में विद्यार्थियों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। शासकीय महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के करीब 100 छात्र-छात्राओं ने बढ़ा हुआ बस किराया कम करने की मांग को लेकर पदयात्रा निकाली और बस स्टैंड पर करीब तीन घंटे तक धरना दिया। इस दौरान रुक-रुककर बारिश होती रही, लेकिन विद्यार्थी खुले आसमान के नीचे जमीन पर डटे रहे। छात्रों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होता, वे यहां से नहीं हटेंगे। बाद में क्षेत्रीय विधायक रमाकांत भार्गव के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

विद्यार्थियों ने सुबह करीब 11 बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर से पदयात्रा शुरू की। हाथों में तख्तियां और नारे लगाते हुए छात्र-छात्राएं नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए करीब 11.30 बजे बस स्टैंड पहुंचे। यहां सभी विद्यार्थी जमीन पर बैठ गए और बस किराया कम करने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया।

छात्रों का कहना था कि भैरूंदा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए प्रमुख शिक्षा केंद्र है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिदिन गांवों से बसों के माध्यम से कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों तक पहुंचते हैं। ऐसे में बस किराए में बढ़ोतरी होने से विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कई विद्यार्थियों ने कहा कि उन्हें प्रतिदिन आने-जाने के लिए किराए के रूप में बड़ी राशि खर्च करनी पड़ रही है।

समाधान नहीं हुआ तो फिर आंदोलन: धरना समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों ने कहा कि फिलहाल उन्हें 4 सितंबर की बैठक का आश्वासन मिला है। यदि बैठक में उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। छात्रों ने कहा कि मंगलवार के प्रदर्शन में करीब 100 विद्यार्थी शामिल हुए हैं, लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर आगामी आंदोलन में इससे अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हो सकते हैं।

बारिश में भी नहीं हटे विद्यार्थी

बस स्टैंड पर छात्रों का धरना करीब तीन घंटे तक चला। इस दौरान बारिश होने के बावजूद विद्यार्थी अपनी मांग पर अड़े रहे। छात्रों ने कहा कि उनका प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वे किसी तरह की अव्यवस्था नहीं चाहते। उनका उद्देश्य केवल बस किराया बढ़ने से विद्यार्थियों को हो रही परेशानी को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाना है। धरने की जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार आरती सोलंकी सहित पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से चर्चा कर धरना समाप्त करने की समझाइश दी, लेकिन छात्रों ने कहा कि वे अपनी समस्या एसडीएम और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखना चाहते हैं। ठोस आश्वासन मिलने तक धरना जारी रखने की बात कही।

विधायक भार्गव ने सुनी छात्रों की समस्या

करीब तीन घंटे बाद क्षेत्रीय विधायक रमाकांत भार्गव धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। छात्रों ने बताया कि बढ़ा हुआ बस किराया रोजाना कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। उन्होंने किराया कम कराने की मांग विधायक के सामने रखी। विधायक ने छात्रों को आश्वासन दिया कि इस संबंध में आरटीओ सीहोर से चर्चा कर विद्यार्थियों के किराए को कम कराने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 4 सितंबर को एसडीएम कार्यालय में विद्यार्थियों और संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में छात्रों की समस्याओं को सुना जाएगा तथा बस किराया कम करने को लेकर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। आश्वासन मिलने के बाद विद्यार्थियों ने धरना समाप्त कर दिया।

सिंहस्थ की तैयारियाँ तेज, उज्जैन को भव्य स्वरूप देने की तैयारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैन : सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियां अब तेज हो गई हैं। मंगलवार को सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अपना कार्यभार संभाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ से पहले उज्जैन नगरी का व्यापक विकास कर इसे विश्वस्तरीय आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

सिंहस्थ मेला कार्यालय परिसर में आयोजित दायित्व ग्रहण समारोह में जगदीश अग्रवाल ने भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना कर पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु-संत, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का महापर्व है। उन्होंने कहा कि उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं और संतों के स्वागत के लिए शहर में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों और किसानों से विकास कार्यों में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों के लिए जमीन उपलब्ध कराने वाले लोगों को सरकार का सहयोग मिलेगा। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने स्वेच्छा से धर्मस्थलों और विकास कार्यों के लिए सहयोग किया है।

संतों ने जताया विश्वास: समारोह में संतों और जनप्रतिनिधियों ने सिंहस्थ-2028 को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। राज्यसभा सांसद संत बालयोगी उमेश नाथ महाराज ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारियां समय से शुरू होने का परिणाम अब दिखाई दे रहा है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रामेश्वरदास महाराज ने जगदीश अग्रवाल के अध्यक्ष बनने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि उनके सरल स्वभाव से साधु-संतों को व्यवस्थाओं में सुविधा मिलेगी। सांसद अनिल फिरोजिया और विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि महाकाल लोक के निर्माण के बाद उज्जैन की पहचान विश्व स्तर पर बढ़ी है और सिंहस्थ-2028 नया इतिहास बनाएगा।

शिप्रा नदी की स्वच्छता पर जोर: सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मां शिप्रा में स्नान करते हैं। इसे देखते हुए शिप्रा नदी की स्वच्छता और सतत प्रवाह बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल ने भी शिप्रा की निर्मलता को प्राथमिकता बताया।

विकास कार्यों को मिलेगी गति: उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण, पार्किंग, धर्मशालाओं, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं से जुड़े कार्य तेजी से चल रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि सिंहस्थ से पहले शहर की यातायात, सुरक्षा और श्रद्धालु सुविधाओं की व्यवस्था पूरी तरह मजबूत हो जाए।दायित्व ग्रहण समारोह में महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, विभिन्न अखाड़ों के संत-महंत, मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष ओम जैन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आंखों के कैंसर का ऑपरेशन रायसेन में भी उपलब्ध

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेन: जिले के मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अब आंखों और पलकों के कैंसर का आधुनिक शल्य उपचार रायसेन में ही उपलब्ध हो गया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा स्थानीय स्तर पर यह सुविधा शुरू की गई है। हाल ही में रायसेन की एक महिला मरीज की बाईं आंख की निचली पलक पर हुए कैंसर का सफल ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शरद साहू और अनुभवी ऑक्युलो-प्लास्टिक सर्जन की संयुक्त टीम ने किया।

ऑपरेशन के दौरान निकाले गए ऊतक की जांच डॉ. निधि राठौर (एमडी पैथोलॉजी) की प्रयोगशाला में की गई, जिसमें कैंसर की पुष्टि बेसल सेल कार्सिनोमा के रूप में हुई। सफल शल्य चिकित्सा के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और नियमित फॉलोअप में है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आंखों और पलकों पर बनने वाली किसी भी गांठ, लंबे समय तक न भरने वाले घाव या असामान्य बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और उपचार से कई मामलों में कैंसर का सफल इलाज संभव है।

इस सुविधा के उपलब्ध होने से रायसेन और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को आंखों और पलकों के कैंसर के उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। विजन 6/6 नेत्रालय में मोतियाबिंद के लिए भी आधुनिक टॉपिकल (बिना इंजेक्शन) सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।

चंदेरी नगर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग, जनसुनवाई में सौंपा आवेदन

नईदुनिया प्रतिनिधि, चंदेरी: ऐतिहासिक नगर चंदेरी में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नगर के प्रमुख चौराहों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई है। इस संबंध में नागरिकों ने जनसुनवाई के दौरान एसडीएम मनीष धनकर को आवेदन सौंपा।

आवेदन में बताया गया कि चंदेरी ऐतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण नगर है, जहां देश-विदेश से पर्यटक विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने आते हैं। इसके बावजूद नगर में सुरक्षा की दृष्टि से प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था नहीं है। नागरिकों का कहना है कि बढ़ती आबादी और आए दिन होने वाली घटनाओं को देखते हुए नगर में निगरानी व्यवस्था जरूरी हो गई है। शनिवार को लगने वाले हाट बाजार के दौरान जेब कटने और मोबाइल चोरी जैसी घटनाएं सामने आने के बाद सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग और तेज हुई है।

जनसुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता इदरीस खां पठान, अधिवक्ता निर्मला विश्वा, बृज किशोर याज्ञनिक ने आवेदन प्रस्तुत किया। एसडीएम मनीष धनकर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका से जानकारी मांगी और आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर जिले को भेजने के निर्देश दिए।

जय स्तंभ चौक पर किन्नरों का हंगामा, जहर खाने की दी धमकी

गंजबासौदा। जय स्तंभ चौक पर मंगलवार को किन्नर समुदाय के आपसी विवाद के बाद जमकर हंगामा हुआ। दो किन्नरों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जहर खाने की धमकी दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों किन्नर हाथ में एक पुड़िया लिए हुए थे, जिसे वे जहरीला पदार्थ बता रहे थे। उन्होंने चक्काजाम कर दिया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा और यातायात व्यवस्था संभालता रहा। बताया गया कि दोनों किन्नरों ने हाथ में मौजूद पैकेट की सामग्री पानी के साथ खा ली। इसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद पुलिस ने दोनों को रिक्शे से अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए रेफर किया गया। घटना के दौरान किसी जिम्मेदार अधिकारी के समय पर मौके पर नहीं पहुंचने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय का संभाग स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व में शानदार प्रदर्शन

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशा: केंद्रीय विद्यालय संगठन, भोपाल संभाग द्वारा आयोजित संभागीय स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व-2026 में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय विदिशा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

संभागीय स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वाद्य संगीत परकशन विधा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय विदिशा अब जोनल स्तर की प्रतियोगिता में भोपाल संभाग का प्रतिनिधित्व करेगा। जोनल प्रतियोगिता अगले सप्ताह जयपुर में आयोजित की जाएगी। वहीं दृश्य कलाञ्चसमूह में विद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली परिचय दिया।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती गीता भदौरिया ने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनकी मेहनत और प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने मास्टर सानिध्य को वाद्य संगीत परकशन में जोनल स्तर पर विद्यालय एवं भोपाल संभाग का प्रतिनिधित्व करने के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ दीं।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, इंदौर में आयोजित क्लस्टर स्तरीय आयोजन में विद्यालय के विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न विधाओं में प्रतिभाग किया। इनमें एक भारत श्रेष्ठ भारत' समूहगान, समूह नृत्य, कला उत्सव समूह नृत्य, एकल गायन, एकल वाद्य संगीत (मेलोडिक एवं परकशन), क्विज, दृश्य कला (एकल समूह) तथा पारंपरिक कहानी वाचन प्रमुख रहे। क्लस्टर स्तर पर विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय का चयन समूहगान, कला उत्सव समूह नृत्य, एकल वाद्य संगीत मेलोडिक एवं परकशन तथा दृश्य कलाञ्चसमूह विधाओं में संभागीय स्तर के लिए हुआ। इसके पश्चात भोपाल संभाग के 73 केंद्रीय विद्यालयों की सहभागिता वाले संभागीय स्तरीय आयोजन पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, भोपाल में किया गया।

वेद-मंत्रों और जयतु संस्कृतम् के उद्घोष से गूंजा शाजापुर, विद्यार्थियों ने निकाली शोभायात्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुर: संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को दुपाड़ा मार्ग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सारस्वत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्राचीन धरोहर चारों वेदों को अपने मस्तक पर धारण कर भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र 'जयतु संस्कृतम', 'वदतु संस्कृतम' और 'वेद हमारी शान हैं' के जयघोष से गूंज उठा।

शोभायात्रा के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वेदों का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता जितेंद्र देवतवाल, विशेष अतिथि रश्मि जोशी, प्राचार्य देवकरण शर्मा और प्रधानाचार्य चंद्रशेखर शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता जितेंद्र देवतवाल ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने कहा कि देववाणी संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और वेद हमारी संस्कृति के प्रमुख आधार हैं।

विशेष अतिथि रश्मि जोशी ने संस्कृत की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समृद्ध शब्दकोश, स्पष्ट व्याकरण और वैज्ञानिक वर्णमाला के कारण संस्कृत विश्व की प्राचीन एवं वैज्ञानिक भाषाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत का आध्यात्मिक ज्ञान और विज्ञान इसी भाषा में संकलित है।

विद्यालय के प्राचार्य देवकरण शर्मा ने कहा कि भारत की पहचान संस्कृति और संस्कृत से है। संस्कृत केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की ज्ञानवर्धक भाषा है।

नशे के खिलाफ एकजुट हुए नागरिक

गंजबासौदा। नशे की चपेट में आकर तीन युवाओं की मौत की घटनाओं के बाद शहर में नशे के खिलाफ जनजागरण की पहल तेज हो गई है। नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए संत, समाजसेवी, व्यापारी और नागरिक एकजुट होकर अभियान चलाने की तैयारी में जुट गए हैं। बैठक में गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी, वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास महाराज और जैन समाज के ब्रह्मचारी मधुर भैया सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 1 सितंबर को नगर में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली शाम 4 बजे रेलवे स्टेशन से शुरू होकर सिरोंज चौराहा स्थित बाराही पैलेस तक पहुंचेगी।

सीवन से कुबेरेश्वरधाम तक गूंजे हर-हर महादेव

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोर: सावन के अंतिम चरण में प्रदोष के अवसर पर मंगलवार को सीहोर में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सीवन नदी तट से कुबेरेश्वरधाम तक करीब 11 किलोमीटर लंबी भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। भगवा वस्त्रों में सजे हजारों श्रद्धालु कांवड़ लेकर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के साथ आगे बढ़े।

रिमझिम बारिश के बीच भी शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। कांवड़िए भजन-कीर्तन करते हुए कुबेरेश्वरधाम पहुंचे और सीवन नदी के पवित्र जल से भगवान कुबेरेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

यात्रा का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का श्रद्धालुओं के साथ कांवड़ लेकर चलना रहा। उन्होंने सीवन नदी तट पर कांवड़ में जल भरा और श्रद्धालुओं के साथ पैदल कुबेरेश्वरधाम के लिए रवाना हुए।

100 से अधिक सेवा शिविर लगाए गए: कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीहोर से कुबेरेश्वरधाम तक 100 से अधिक सेवा शिविर लगाए गए। इनमें भोजन-प्रसादी, फल, नाश्ता और पेयजल की व्यवस्था की गई। सामाजिक संगठनों, क्षेत्रवासियों और विठलेश सेवा समिति के सेवादारों ने श्रद्धालुओं की सेवा की।

यात्रा में आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे और भजन मंडलियां भी शामिल रहीं। महाराष्ट्र के जलगांव से आए श्रद्धालुओं का दल भगवान भोलेनाथ की झांकी के साथ करीब 450 किलोमीटर की यात्रा कर कुबेरेश्वरधाम पहुंचा।

कई राज्यों से पहुंचे श्रद्धालु: कांवड़ यात्रा में मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब और उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों के श्रद्धालु शामिल हुए। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और पार्किंग की विशेष व्यवस्था की। सीवन घाट पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुल से जल भरने की व्यवस्था की गई। कुबेरेश्वरधाम पहुंचने के बाद पंडित प्रदीप मिश्रा ने यात्रा की सफलता के लिए श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों, प्रशासन और पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।